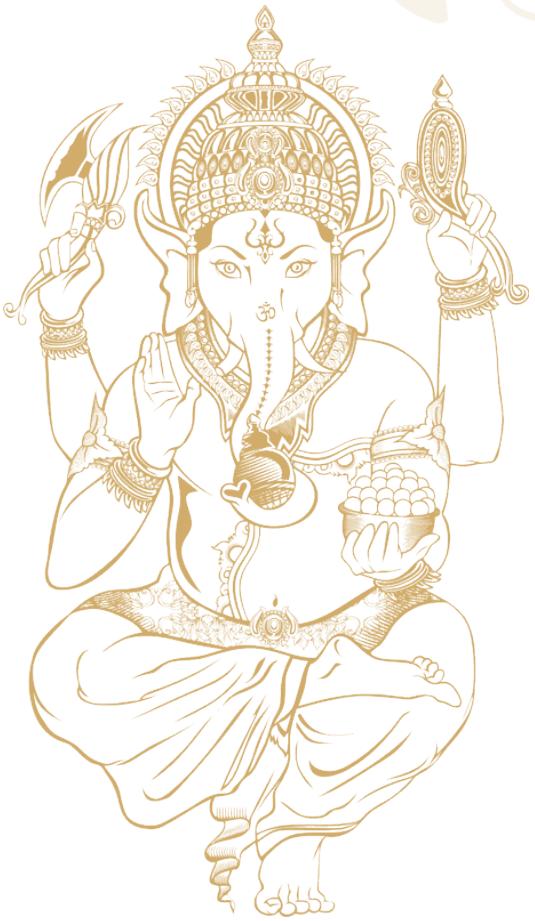

Baljinder Pooja

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121366501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121366501 Date: 23/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/10/1991	जन्म तिथि	04/11/1991
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 12:00:00	जन्म समय	15:27:00 घंटे
घटी 13:15:16	जन्म समय(घटी)	21:36:49 घटी
India	देश	India
Patti	स्थान	Firozabad
31:17:00 उत्तर	अक्षांश	28:38:00 उत्तर
74:51:00 पूर्व	रेखांश	77:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:41:53	सूर्योदय	06:34:58
17:46:56	सूर्यास्त	17:34:09
23:44:49	चित्रपक्षीय अयनांश	23:44:50

धनु	लग्न	मीन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
वृष	राशि	कन्या
शुक्र	राशि-स्वामी	बुध
मृगशिरा	नक्षत्र	हस्त
मंगल	नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
2	चरण	4
परिघ	योग	विष्कुम्भ
कौलव	करण	वणिज
वो-वोमेश	जन्म नामाक्षर	ठ-ठुमकी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	वैश्य
चतुष्पाद	वश्य	मानव
सर्प	योनि	महिष
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 8मा 7दि		17:49:07	धनु	लग्न	मीन	05:43:51	चन्द्र 0वर्ष 3मा 20दि	
गुरु		09:35:30	तुला	सूर्य	तुला	17:44:02	गुरु	
04/07/2013		29:38:38	वृष	चंद्र	कन्या	22:55:31	23/02/2017	
04/07/2029		13:22:26	तुला	मंगल	तुला	18:58:12	23/02/2033	
गुरु	22/08/2015	24:22:14	तुला	बुध	वृश्चि	06:12:35	गुरु	13/04/2019
शनि	05/03/2018	14:56:39	सिंह	गुरु	सिंह	16:14:01	शनि	25/10/2021
बुध	10/06/2020	23:12:41	सिंह	शुक्र	कन्या	01:14:06	बुध	31/01/2024
केतु	16/05/2021	06:51:19	मक	शनि	मक	07:12:21	केतु	05/01/2025
शुक्र	15/01/2024	18:31:01	धनु व	राहु व	धनु	18:02:03	शुक्र	06/09/2027
सूर्य	03/11/2024	18:31:01	मिथु व	केतु व	मिथु	18:02:03	सूर्य	25/06/2028
चन्द्र	05/03/2026	16:41:33	धनु	हर्ष	धनु	16:58:14	चन्द्र	25/10/2029
मंगल	09/02/2027	20:30:23	धनु	नेप	धनु	20:39:37	मंगल	01/10/2030
राहु	04/07/2029	25:52:15	तुला	प्लूटो	तुला	26:11:33	राहु	23/02/2033

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:44:49 चित्रपक्षीय अयनांश 23:44:50

लग्न-चलित

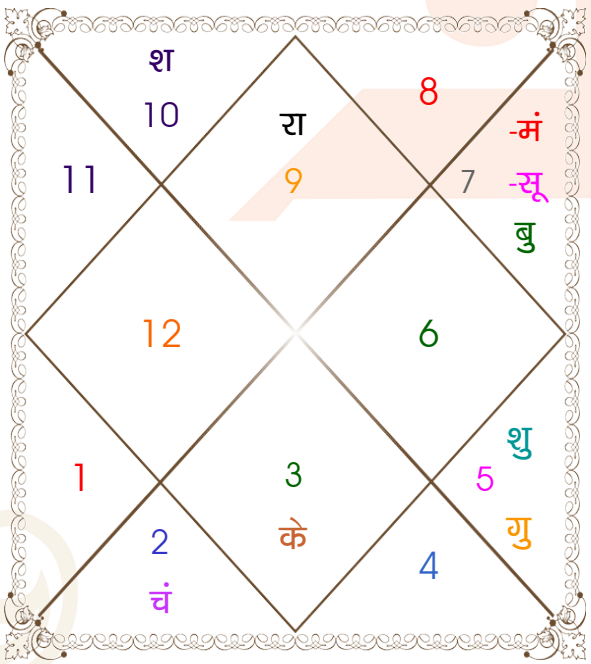

लग्न-चलित

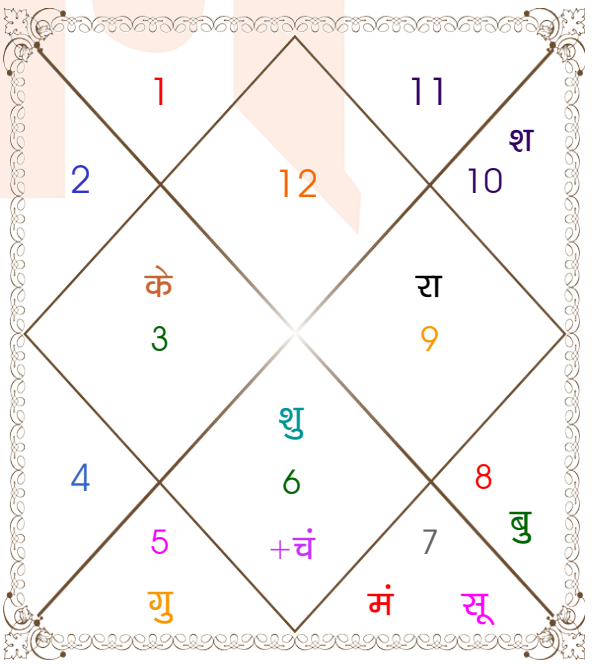

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

कुल : **26 / 36**

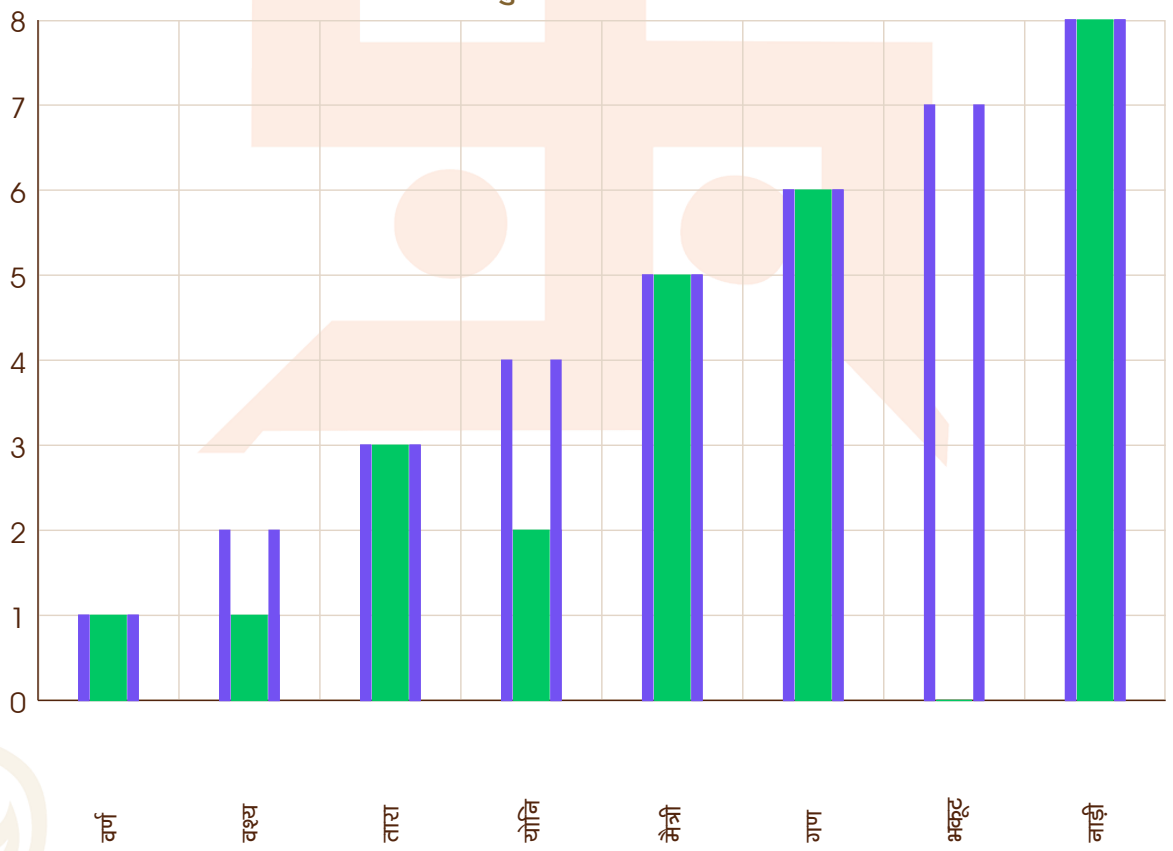

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Baljinder का वर्ग मृग है तथा च्ववरं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Baljinder और च्ववरं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Baljinder मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

च्ववरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Baljinder कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Baljinder तथा च्ववरं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Baljinder का वर्ण वैश्य है तथा च्ववरं का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण Baljinder और च्ववरं दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। Baljinder और च्ववरं दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

Baljinder का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं च्ववरं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Baljinder एवं च्ववरं एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी च्ववरं क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Baljinder की तारा सम्पत तथा च्ववरं की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Baljinder एवं च्ववरं दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। च्ववरं एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Baljinder की योनि सर्प है तथा च्ववरं की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध

संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Baljinder एवं च्ववरं दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Baljinder एवं च्ववरं के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Baljinder एवं च्ववरं जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Baljinder का गण देव तथा च्ववरं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Baljinder से च्ववरं की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा च्ववरं से Baljinder की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण च्ववरं को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

Baljinder की नाड़ी मध्य है तथा च्ववरं की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Baljinder की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त वृष राशि है तथा च्ववरं की राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी तत्व के दम्पतियों की आपस में स्वाभाविक समानता रहती है तथा जीवन में उचित सामंजस्य स्थापित करने में वे समर्थ रहते है जिससे उनका जीवन सुख एवं शांति से व्यतीत होता है।

Baljinder का राशि स्वामी शुक्र एवं च्ववरं की राशि स्वामी बुध है। बुध और शुक्र परस्पर मित्र है फलतः Baljinder और च्ववरं के संबध मित्रता स्नेह एवं सहानुभूति से युक्त रहेंगे तथा दाम्पत्य जीवन की शुभता के लिए यह उत्तम स्थिति रहेगी। Baljinder और च्ववरं एक आदर्श प्रेमी होंगे तथा एक दूसरे के प्रति विश्वास एवं समर्पण की भावना होगी। इस प्रकार Baljinder और च्ववरं की स्वाभाविक तथा मानसिक समानता की प्रवृति से उनका दाम्पत्य जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

Baljinder और च्ववरं की राशियां परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। यह भकूट दोष के अंतर्गत माना जाता है। इसके प्रभाव से यदा कदा दाम्पत्य जीवन में अशांति का भाव उत्पन्न होगा तथा स्वाभिमानी प्रवृति होने के कारण ये लोग परस्पर मधुरता के भाव में न्यूनता करेंगे। उनके अनावश्यक वाद विवादों पर भी मन मुटाव होंगे। अतः यदि ये ऐसे अवसरों की उपेक्षा कर सकें तो इनका दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत हो सकता है।

Baljinder का वश्य चतुष्पद एवं च्ववरं का वश्य मानव है। नैसर्गिक रूप से इन वश्यों की परस्पर शत्रुता रहती है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमता रहेगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को आप अल्प मात्रा में ही प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करेंगे। यदि Baljinder ऐसे सुखद क्षणों में अपनी हास्य प्रवृति का त्याग करें तो इसमें किंचित अनुकूलता हो सकती है।

आप दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः Baljinder और च्ववरं दोनों की कार्य क्षमता समान रहेगी तथा एक ही प्रकार के कार्यो को करने में रूचि रहेगी। धनार्जन में इनकी प्रवृति होगी एवं व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करके अपने लाभ मार्ग प्रशस्त करने में तत्पर रहेंगे।

धन

Baljinder की तारा सम्पत तथा च्ववरं की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Baljinder सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा च्ववरं के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Baljinder और च्ववरं को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से च्ववरं का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Baljinder की नाड़ी मध्य तथा च्ववरं की नाड़ी आद्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे तथा इसका कोई दुष्प्रभाव इन पर नहीं पड़ेगा परन्तु मंगल की स्थिति प्रतिकूल रहेगी जिसके प्रभाव से Baljinder रक्त तथा पित विकार से परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही हृदय रोग संबधी परेशानी भी होगी एवं रतिक्रिया संबंधी निष्क्रियता के भाव की भी उत्पत्ति की संभावना रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में कलह तथा अशांति की संभावना उत्पन्न होगी। अतः उपरोक्त अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए Baljinder को हनुमान जी की नियमित पूजा करनी चाहिए तथा मंगलवार का उपवास करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Baljinder और च्ववरं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Baljinder और च्ववरं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में च्ववरं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन च्ववरं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में च्ववरं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Baljinder और च्ववरं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Baljinder और च्ववरं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

च्ववरं के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का

सामना करना पड़ेगा तथापि यदि च्ववरं धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से च्ववरं के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी च्ववरं का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी च्ववरं से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Baljinder के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही Baljinder भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी Baljinder के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Baljinder के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।